

The issue of appointing an Executive Director on a permanent basis is linked with the implementation of this recommendation.

Test for recruitment in CPWD

3754. SHRI THANGABAALU: WiU the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether a test (Theory on 21st, 22nd and 23rd January, 1985) and Practical on (15th, 16th, 13th, 28th 29th May and 3rd June, 1985) was held in Delhi zone for promotion from the post of Mistry/Operator/Fitter to the post of Sr. Mechanic/Air conditioning and Refrigeration, Division 1, C. P. W. D., New Delhi;

(b) whether all the persons who qualified have been absorbed; if not the reasons therefor;

(c) whether any new test is proposed to be held for recruitment to the post of Senior Mechanic; if so, the reasons therefor; and

(d) the steps taken to absorb persons who qualified in 1985?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH): (a) Yes.

(b) to (d) Till now, only those who qualified in the trade test held in the earlier years, and who happen to be senior in the panel, could be absorbed. As per rules/orders, trade test is to be held every year in respect of all those who are eligible and such test cannot be deferred till they become due for promotion. This is his order that those who do not pass the trade test in the first attempt be enabled to make special effort to pass the same well before they become due for consideration for promotion. Those who have qualified in the trade test held in the year 1985, will be absorbed in their turn, as and when vacancies occur.

मत्स्य पालन के लिए धनराशि का आवंटन

3755. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या कृषि मंत्रा यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना में मत्स्य पालन परियोजना के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है और क्या इसका मूल्यांकन किया जाएगा कि इस क्षेत्र के कार्य में वास्तव में कोई विस्तार हुआ है ;

(ख) क्या यह सच है कि गंगा और अन्य नदियों में पाने तरीकों से मछलियों का जो रहा है और इन नदियों के लिए न तो अभी तक कोई मछली विकास योजना आरम्भ की गई है और न ही मछलियों को मछली पकड़ने के आधुनिक साधन उपलब्ध करवाए गए हैं ; और

(ग) क्या कारण है कि देश के भीतरी जलाशयों में मछली विकास को कोई बड़ी परियोजना नहीं है जबकि समुद्री मछली परियोजना पर 80 प्रतिशत धनराशि व्यय की जा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना)

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान मत्स्य पालन विभाग के लिए 566.63 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई है जिसका व्यय नीचे दिया गया है :—

	(करोड़ रुपए)
केन्द्रीय सरकार	217.35
राज्य सरकारें	329.19
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	18.75
(भा कु अ प०)	
राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम	1.34
(+ स० वि० नि०)	
	<hr/> 566.63 <hr/>